



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 107]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 24, 2015/चैत्र 3, 1937

No.107]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 24, 2015/CHAITRA 3, 1937

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 24 मार्च, 2015

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(इंडिटी शेयरों की असूचीबद्धता) (संशोधन) विनियम, 2015

सं. एल.ए.डी.—एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/27/541.—बोर्ड, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 21क के साथ पठित धारा 31, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30, धारा 11 की उप-धारा (1) तथा धारा 11क की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इंडिटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इंडिटी शेयरों की असूचीबद्धता) (संशोधन) विनियम, 2015 कहा जा सकेगा।
 2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इंडिटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 में,
- (I) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, खंड (iv) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जायेगा :-
- "(iv) "संप्रवर्तक समूह" का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अधीन इसके लिए नियत है;"।
- (II) विनियम 2 में, उप-विनियम (2) में,

- (i) शब्दों और चिह्नों " ``सामान्य मति से कार्य करता हुआ व्यक्ति" (या "सामान्य मति से कार्य करते हुए व्यक्ति"), "संप्रवर्तक" " के पश्चात्, शब्द और चिह्न ", "अर्जनकर्ता" " अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
- (ii) शब्द, चिह्न और अंक "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्यास अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997", शब्दों, चिह्नों और अंकों "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्यास अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

(III) विनियम 4 में,

- (i) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-
"(1क) कोई भी संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह कंपनी के इक्किटी शेयरों की असूचीबद्धता को प्रस्तावित नहीं करेगा, यदि संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह से संबंधित किसी एंटिटी ने बोर्ड की बैठक, जिसमें असूचीबद्धता के प्रस्ताव को विनियम 8 के उप-विनियम (1घ) के अनुसार अनुमोदित किया गया, की तारीख से पूर्व की छह महीनों की अवधि के दौरान कंपनी के इक्किटी शेयर बेच दिये हों";
- (ii) उप-विनियम (5) में,-
(क) शब्द "संप्रवर्तक या अन्य व्यक्ति", शब्दों "अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह या उनकी संबंधित एंटिटियाँ" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;
(ख) खंड (क) में, शब्द "करेगा", शब्द "करेंगी" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
(ग) खंड (ख) में, शब्द "लगेगा", शब्द "लगेंगी" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
(घ) खंड (ग) में, शब्द "लगेगा", शब्द "लगेंगी" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ।

(IV) विनियम 8 में,

- (i) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् :-
"(1क) उप-विनियम (1) के खंड (क) के अधीन अनुमोदन प्रदान करने से पूर्व, कंपनी का निदेशक बोर्ड,-
(i) जिन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में कंपनी के इक्किटी शेयर सूचीबद्ध हों, उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को यह प्रकटीकरण करेगा कि संप्रवर्तकों / अर्जनकर्ताओं ने कंपनी को असूचीबद्ध करने का प्रस्ताव किया है;
(ii) सम्यक् तत्परता करने के लिए मर्चेंट बैंककार को नियुक्त करेगा और इस आशय का प्रकटीकरण उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को करेगा जहाँ कंपनी के इक्किटी शेयर सूचीबद्ध हों ;
(iii) असूचीबद्धता के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बुलायी गयी बोर्ड की बैठक की तारीख को शीर्ष पञ्चीस शेयरधारकों द्वारा बोर्ड की बैठक की तारीख से पूर्व दो वर्षों की अवधि हेतु कंपनी के शेयरों में व्यापार (ट्रेडिंग) के ब्यौरे, स्टॉक एक्सचेंजों से तथा दो वर्षों की अवधि हेतु ऐसे शेयरधारकों के बाजार से परे (ऑफ मार्केट) के संव्यवहारों के ब्यौरे अभिप्राप करेगा और यह जानकारी सम्यक् तत्परता करने हेतु मर्चेंट बैंककार को देगा ;
(iv) विनियम 8 के उप-विनियम (1घ) के अनुसार अतिरिक्त ब्यौरे अभिप्राप करेगा और यह जानकारी मर्चेंट बैंककार को देगा ।

(1घ) असूचीबद्धता संबंधी प्रस्ताव को अनुमोदित करते समय कंपनी का निदेशक बोर्ड यह प्रमाणित करेगा कि :

- (i) कंपनी प्रतिभूति विधियों के लागू उपबंधों (प्रावधानों) का अनुपालन कर रही है;
- (ii) अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह या उनकी संबंधित एंटिटियाँ, विनियम 4 के उप-विनियम (5) का अनुपालन कर रही हैं;
- (iii) असूचीबद्धता शेयरधारकों के हित में है ।

(1ग) उप-विनियम (1ख) में निर्दिष्ट मामलों की बाबत प्रमाणीकरण के लिए, कंपनी का निदेशक बोर्ड विनियम 8 के उप-विनियम (1ड) में यथा विनिर्दिष्ट मर्चेंट बैंककार की रिपोर्ट पर विचार करेगा ।

(1घ) उप-विनियम (1क) के खंड (ii) के अधीन कंपनी के निदेशक बोर्ड द्वारा नियुक्त मर्चेंट बैंककार विनियम 8 के उप-विनियम (1क) के खंड (iii) के अनुसार कंपनी के निदेशक बोर्ड से व्यौरे अभिप्राप्त करके सम्यक् तत्परता करेगा :

परंतु यह कि यदि मर्चेंट बैंककार की यह राय हो कि विनियम 8 के उप-विनियम (1क) के खंड (iii) में निर्दिष्ट व्यौरे विनियम 8 के उप-विनियम (1ड) के अनुसार प्रमाणीकरण हेतु पर्याप्त नहीं हैं, तो वह कंपनी के निदेशक बोर्ड से ऐसी अधिक अवधि हेतु अतिरिक्त व्यौरे अभिप्राप्त करेगा, जैसा वह उचित समझे ।

(1ड) विनियम 8 के उप-विनियम (1घ) के अनुसार यथा विनिर्दिष्ट सम्यक् तत्परता करके, मर्चेंट बैंककार निम्नलिखित को प्रमाणित करते हुए कंपनी के निदेशक बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :

(क) अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह से संबंधित एंटिटियों या उनकी संबंधित एंटिटियों द्वारा किया गया व्यापार (की गयी ट्रेडिंग), प्रतिभूति विधियों के लागू उपबंधों का अनुपालन करते हुए किया गया था (की गयी थी) या नहीं; और
(ख) अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह से संबंधित एंटिटियों या उनकी संबंधित एंटिटियों ने, असूचीबद्धता के प्रस्ताव की सफलता को सुकर बनाने के लिए ऐसा कोई संव्यवहार किया है या नहीं, जो विनियम 4 के उप-विनियम (5) के उपबंधों के अनुपालन में न हो ।"

(ii) उप-विनियम (3) में, शब्द "तीस", शब्द "पाँच" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ।

(V) विनियम 10 में,-

(i) उप-विनियम (1) में,

(क) शब्दों "कंपनी के संप्रवर्तक" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;

(ख) शब्द "की प्राप्ति पर", शब्दों "की प्राप्ति की तारीख से एक कार्य-दिवस के भीतर" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ;

(ii) उप-विनियम (4) में, शब्दों और चिह्न "करने से पूर्व," के पश्चात् तथा शब्द "संप्रवर्तक" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;

(iii) उप-विनियम (5) में, शब्द "संप्रवर्तक", शब्दों और चिह्न "अर्जनकर्ता / संप्रवर्तक" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;

(iv) उप-विनियम (6) में, शब्द "संप्रवर्तक", जहाँ कहीं भी यह आता हो, शब्दों और चिह्न "अर्जनकर्ता/ संप्रवर्तक" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;

(v) उप-विनियम (6) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

"(7) अर्जनकर्ता, कंपनी के संप्रवर्तक तथा संप्रवर्तक समूह से संबंधित कोई भी एंटिटी बोर्ड की बैठक, जिसमें असूचीबद्धता संबंधी प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया, की तारीख से असूचीबद्धता की प्रक्रिया पूरी होने तक की अवधि के दौरान कंपनी के शेयर नहीं बेचेगी ।"

(VI) विनियम 11 में,

(i) उप-विनियम (1) में, शब्दों और चिह्न "करने से पूर्व," के पश्चात् तथा शब्द "संप्रवर्तक" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;

- (ii) उप-विनियम (2) में, शब्दों और चिह्न "घोषणा करने पर," के पश्चात् तथा शब्द "संप्रवर्तक" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ।
- (VII) विनियम 12 में, उप-विनियम (1) में, -
- शब्दों "संप्रवर्तक इक्लिटी शेररों" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
 - शब्द "पैंतालीस", शब्द "दो" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
 - शब्दों और चिह्न ", ताकि बोली की कालावधि के खुलने से कम से कम पांच कार्य दिवसों के पूर्व उनके पास पहुंच सकें" का लोप हो जायेगा ।
- (VIII) विनियम 13 में,
- उप-विनियम (1) में, शब्द "पचपन", शब्द "सात" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
 - उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्,- "(1क) अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक शेरधारकों द्वारा शेररों को दिये जाने (को निविदत्त किये जाने) को तथा उनके निपटान को सुकर बनायेगा, बोर्ड द्वारा यथा विनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज की व्यवस्था के माध्यम से ।"
 - उप-विनियम (2) में, शब्द "तीन कार्य दिवसों की न्यूनतम कालावधि और पांच कार्य दिवसों की अधिकतम", शब्दों "पाँच कार्य दिवसों की" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।
- (IX) विनियम 14 में, उप-विनियम (2) में, शब्द "संप्रवर्तक", शब्दों "अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ।
- (X) विनियम 15 में,-
- उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :- "निम्नतम कीमत (निम्नतम मूल्य) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेररों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के अनुसार अवधारित की जायेगी, जैसा लागू हो ।"
 - उप-विनियम (3) का लोप हो जायेगा ।
- (XI) विनियम 16 में,
- उप-विनियम (1) में, शब्दों "संप्रवर्तक बही-निर्माण प्रक्रिया" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
 - उप-विनियम (2) में, -
 - शब्द "जहां" के पश्चात् और शब्दों "संप्रवर्तक इस प्रकार अवधारित" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
 - खंड (क) में, शब्दों "संप्रवर्तक प्रस्ताव के अनुसरण में" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
 - ग) खंड (ग) में, शब्दों "संप्रवर्तक विनियम 11 के अधीन" के पूर्व, शब्द "अर्जनकर्ता या" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
 - घ) खंड (घ) का लोप हो जायेगा ;
 - उप-विनियम (3) का लोप हो जायेगा ।
- (XII) विनियम 17 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात् :-
- "17. अध्याय ||| के अधीन लाया गया प्रस्ताव केवल तभी सफल समझा जायेगा यदि,-
- प्रस्ताव के पश्चात् संप्रवर्तक की शेरधारिता (संप्रवर्तक के साथ सामान्य गति से कार्य करने वाले व्यक्तियों सहित), अनुसूची || के अनुसार अवधारित अंतिम कीमत पर पात्र बोलियों के माध्यम से

स्वीकृत शेयरों के साथ, उस वर्ग के कुल निर्गमित शेयरों के नब्बे प्रतिशत तक पहुँच जाती है, उन शेयरों को छोड़कर जो अभिरक्षक द्वारा धारित हैं और जिनके प्रति निक्षेपागार रसीदें (डिपॉजिटरी रिसीट्स) विदेश में जारी की गयी हैं; और

(ख) विनियम 8 के उप-विनियम (1ख) में निर्दिष्ट बोर्ड की बैठक की तारीख को गैर-कागजी (डीमैट) रूप में शेयरों को धारण करने वाले सार्वजनिक शेयरधारकों में से कम से कम पच्चीस प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारकों ने बही-निर्माण प्रक्रिया में भाग लिया हो :

परंतु यह कि यह अपेक्षा उन मामलों के प्रति लागू नहीं होगी जहाँ अर्जनकर्ता और मर्चेंट बैंककार स्टॉक एक्सचेंजों को यह दर्शते हों कि उन्होंने प्रस्ताव-पत्र सभी सार्वजनिक शेयरधारकों को या तो रजिस्ट्रीकृत डाक या स्पीड पोस्ट या कूरियर के माध्यम से या हस्त-सुपुर्दगी (हैंड डिलीवरी) करके [सुपुर्दगी_(डिलीवरी) के सबूत के साथ] अथवा ई-मेल के माध्यम से टेक्स्ट के रूप में या ई-मेल के संलग्नक (अटैचमेंट) के रूप में या किसी ऐसी सूचना के रूप में, जिसके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक लिंक या यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर प्रदान किया गया हो जिसमें रीड रिसीट सम्मिलित है, भेज दिया (डिलीवर कर दिया) है।

स्पष्टीकरण- यदि असूचीबद्धता का प्रस्ताव भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्यास अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 5क के अनुसार लाया गया हो, तो असूचीबद्धता के सफल प्रस्ताव के लिए नब्बे प्रतिशत की सीमा-रेखा (थ्रेसहोल्ड लिमिट) की गणना प्रस्ताव के पश्चात् अर्जनकर्ता की शेयरधारिता के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारिता, अर्जित किये जाने वाले शेयरों जिनसे खुला प्रस्ताव लाने की बाध्यता आकृष्ट हुई हो और अनुसूची II के अनुसार अवधारित अंतिम कीमत पर पात्र बोलियों के माध्यम से स्वीकृत शेयरों को हिसाब में लेते हुए की जायेगी।

(XIII) विनियम 18 में,

- (i) शब्द "संप्रवर्तक", शब्दों और चिह्न "संप्रवर्तक / अर्जनकर्ता" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ;
- (ii) शब्द "आठ", शब्द "पाँच" से प्रतिस्थापित हो जायेगा ।

(XIV) विनियम 19 के उप-विनियम (2) के खंड (क) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-
"परंतु यह कि अर्जनकर्ता से यह अपेक्षित नहीं होगा कि वह शेयरों को लौटाये यदि प्रस्ताव भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्यास अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 5क के अनुसरण में लाया जाता है।"

(XV) विनियम 25 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

"25क. विनियमों के कड़े प्रवर्तन को शिथिल करने की शक्ति

- (1) बोर्ड ऐसे कारणों से जो लिखित रूप में अभिलिखित किये जायेंगे, इन विनियमों की अपेक्षाओं में से किसी अपेक्षा के कड़े प्रवर्तन से शिथिलीकरण प्रदान कर सकेगा, यदि बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि शिथिलीकरण प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) में निवेश करने वाले निवेशकों (विनिधानकर्ताओं) और प्रतिभूति बाजार के हितों में है।
- (2) उप-विनियम (1) के अधीन छूट मांगने के लिए, संप्रवर्तक या अर्जनकर्ता या कंपनी बोर्ड के पास आवेदन दाखिल करेगी, जो सम्यक् रूप से शपथ लेकर दिये हुए शपथ-पत्र (एफिडेविट) से समर्थित हो, जिसके अंतर्गत ऐसी छूट मांगने संबंधी ब्यौरे और वे आधार दिये गये हों जिन पर छूट मांगी गयी है।

- (3) यथास्थिति, संप्रवर्तक या अर्जनकर्ता या कंपनी, उप-विनियम (3) के अधीन निर्दिष्ट आवेदन के साथ, बोर्ड के पक्ष में मुंबई में देय बैंकर चैक या मांगदेय (डिमांड) ड्राफ्ट के रूप में पचास हजार रुपये की अप्रतिदेय फीस अदा करेगी।
- (4) बोर्ड आवेदक को सुने जाने का उचित अवसर देने के पश्चात् और सभी सुसंगत तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार करने के पश्चात्, यथासंभव शीघ्रता के साथ, मांगी गयी छूट या शिथिलीकरण को या तो प्रदान करते हुए या नामंजूर करते हुए तर्कसंगत आदेश पारित कर सकेगा।"

(XVI) विनियम 27 में,

- (i) उप-विनियम (1) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थातः-

"(1) कंपनी के इक्विटी शेयरों को उन सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से असूचीबद्ध किया जा सकेगा जहाँ वे सूचीबद्ध हों, अध्याय IV में दी गयी प्रक्रिया का अनुसरण किये बिना, यदि,-

(क) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को कंपनी की समादत्त पूँजी दस करोड़ रुपये से अनधिक हो और शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) पञ्चास करोड़ रुपये से अनधिक हो ;

(ख) विनियम 8 के उप-विनियम (1ख) में निर्दिष्ट बोर्ड की बैठक की तारीख से ठीक पहले की एक वर्ष की अवधि के दौरान किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के इक्विटी शेयरों में व्यापार न हुआ हो ; और

(ग) कंपनी को राष्ट्रव्यापी व्यापारिक (ट्रेडिंग) टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में से किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा पूर्ववर्ती एक वर्ष में किसी अनुपालन के लिए निलंबित न किया गया हो;"

- (ii) उप-विनियम (2) का लोप हो जायेगा ;

- (iii) उप-विनियम (3) में, शब्दों, चिह्नों और अंक "या उप-विनियम (2)" का लोप हो जायेगा ।

(XVII) विनियम 31 में, उप-विनियम (2) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थातः-

"कंपनी या किसी संप्रवर्तक या अर्जनकर्ता, जिसने कंपनी की प्रतिभूतियों की असूचीबद्धता चाही, द्वारा किये गये असूचीबद्धता संबंधी किसी प्रस्ताव, जो इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व किया गया और जहाँ प्रस्ताव की कीमत का अवधारण ऐसे प्रारंभ की तारीख को विनियम 15 के उप-विनियम (1) के अनुसार न किया गया हो, के संबंध में कार्यवाही भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 [भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) (संशोधन) विनियम, 2015 द्वारा यथा संशोधित] के अधीन की जायेगी।"

(XVIII) अनुसूची I में, पैरा 16 के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थातः-

"16क. : कंपनी के निदेशक बोर्ड द्वारा यह प्रमाणित करते हुए कथन कि :-

(क) कंपनी प्रतिभूति विधियों के लागू उपबंधों का अनुपालन कर रही है;

(ख) अर्जनकर्ता या संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह या उनकी संबंधित एंटिटियों ने असूचीबद्धता के प्रस्ताव की सफलता को सुकर बनाने के लिए उपर्युक्त अवधि के दौरान ऐसा कोई संव्यवहार (ट्रांजेक्शन) नहीं किया है, जो विनियम 4 के उप-विनियम (5) के उपबंधों के अनुपालन में न हो ;

(ग) असूचीबद्धता शेयरधारकों के हित में है।"

(XIX) अनुसूची II में,

- (i) पैरा 11 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्,-

"11क. पैरा 1 से 11 वही-निर्माण प्रक्रिया की बाबत लागू नहीं होंगे जहाँ निपटान इन विनियमों के विनियम 13 के उप-विनियम (1क) में यथा विनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज व्यवस्था के माध्यम से किया जाता हो।"

(ii) पैरा 12 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात्:-

"12. अंतिम प्रस्ताव कीमत का अवधारण उस कीमत के रूप में किया जायेगा जिस कीमत पर शेयर पात्र बोलियों के माध्यम से स्वीकार किये गये, जो संप्रवर्तक या अर्जनकर्ता की शेयरधारिता (सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों सहित) को उस वर्ग के कुल निर्गमित शेयरों के नब्बे प्रतिशत तक ले जाती है, उन शेयरों को छोड़कर जो अभिरक्षक द्वारा धारित हैं और जिनके प्रति निश्चेपागार रसीदें जारी की गयी हैं। यदि अंतिम कीमत को स्वीकार कर लिया जाता है, तब, संप्रवर्तक दिये गये (निविदत्त किये गये) सभी शेयरों को स्वीकार कर लेगा जहाँ लगायी गयी तत्संबंधी बोलियाँ अंतिम कीमत पर या उस कीमत पर हों जो अंतिम कीमत से कम हो। संप्रवर्तक, यदि वह ठीक समझे, उच्चतर अंतिम कीमत नियत कर सकेगा। अंतिम प्रस्ताव कीमत के निर्धारण हेतु एक उदाहरण नीचे सारणी में दिया गया है:

बोली की कीमत (रु.)	निवेशकों (विनिधानकर्ताओं) की संख्या	माँग (शेयरों की संख्या)	संचयी माँग (शेयरों की संख्या)
550	5	2,50,000	2,50,000
565	8	4,00,000	6,50,000
575	10	2,00,000	8,50,000
585	4	4,00,000	12,50,000
595	6	1,20,000	13,70,000
600	5	1,30,000	15,00,000
605	3	2,10,000	17,10,000
610	3	1,40,000	18,50,000
615	3	1,50,000	20,00,000
620	1	5,00,000	25,00,000
	48	25,00,000	



अंतिम प्रस्ताव कीमत

यह मानते हुए कि निम्नतम कीमत (निम्नतम मूल्य) रु. 550/- प्रति शेयर है, संप्रवर्तक / अर्जनकर्ता की शेयरधारिता 75% है और सफल असूचीबद्धता के लिए अपेक्षित शेयरों की संख्या 15,00,000 है, तो ऐसे

में अंतिम कीमत वह कीमत होगी जिस कीमत पर संप्रवर्तक 90% की सीमा-रेखा (थ्रेसहोल्ड) तक पहुँच जाता है, अर्थात्, यह रु. 600/- प्रति शेयर होगी।"

यू.के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./69 जैडबी/350/14]

पाद टिप्पण :

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2009-2010/09/165992 द्वारा, 10 जून 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 24th March, 2015

Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) (Amendment) Regulations, 2015

No. LAD-NRO/GN/2014-15/27/541.— In exercise of the powers conferred by section 31 read with section 21A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), section 30, sub-section (1) of section 11 and sub-section (2) of section 11A of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009, namely:-

- These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) (Amendment) Regulations, 2015.
- They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009,
 - in regulation 2, in sub-regulation (1), after clause (iv), the following clause shall be inserted:-
"(iva) "promoter group" shall have the same meaning as assigned to it under the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009;".
 - in regulation 2, in sub-regulation (2),
 - after the words and symbols "'person acting in concert', 'promoter'" word and symbols ", 'acquirer'" shall be inserted;
 - the words, symbols and figures "Securities and Exchange board of India (Substantial Acquisition of Shares and takeovers) Regulations, 1997" shall be substituted with the words, symbols and figures "Securities and Exchange board of India (Substantial Acquisition of Shares and takeovers) Regulations, 2011".
 - in regulation 4,
 - after sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-
"(1A) No promoter or promoter group shall propose delisting of equity shares of a company, if any entity belonging to the promoter or promoter group has sold equity shares of the company during a period of six months prior to the date of the board meeting in

which the delisting proposal was approved in terms of sub-regulation (1B) of regulation 8.";

(ii) in sub- regulation (5), the words ' promoter or other person' shall be substituted with the words 'acquirer or promoter or promoter group or their related entities'.

(IV) in regulation 8,

(i) after sub-regulation (1), the following sub-regulations shall be inserted, namely:-

"(1A) Prior to granting approval under clause (a) of sub-regulation (1), the board of directors of the company shall,-

- (i) make a disclosure to the recognized stock exchanges on which the equity shares of the company are listed that the promoters/acquirers have proposed to delist the company;
- (ii) appoint a merchant banker to carry out due-diligence and make a disclosure to this effect to the recognized stock exchanges on which the equity shares of the company are listed;
- (iii) obtain details of trading in shares of the company for a period of two years prior to the date of board meeting by top twenty five shareholders as on the date of the board meeting convened to consider the proposal for delisting, from the stock exchanges and details of off-market transactions of such shareholders for a period of two years and furnish the information to the merchant banker for carrying out due-diligence;
- (iv) obtain further details in terms of sub-regulation (1D) of regulation 8 and furnish the information to the merchant banker.

(1B) The board of directors of the company while approving the proposal for delisting shall certify that :

- (i) the company is in compliance with the applicable provisions of securities laws;
- (ii) the acquirer or promoter or promoter group or their related entities, are in compliance with sub-regulation (5) of regulation 4;
- (iii) the delisting is in the interest of the shareholders.

(1C) For certification in respect of matters referred to in sub-regulation (1B), the board of directors of the company shall take into account the report of the merchant banker as specified in sub-regulation (1E) of regulation 8.

(1D) The merchant banker appointed by the board of directors of the company under clause (ii) of sub-regulation (1A) shall carry out due-diligence upon obtaining details from the board of directors of the company in terms of clause (iii) of sub-regulation (1A) of regulation 8:

Provided that if the merchant banker is of the opinion that details referred to in clause (iii) of sub-regulation (1A) of regulation 8 are not sufficient for certification in terms of sub-regulation (1E) of regulation 8, he shall obtain additional details from the board of directors of the company for such longer period as he may deem fit.

(1E) Upon carrying out due-diligence as specified in terms of sub-regulation (1D) of regulation 8, the merchant banker shall submit a report to the board of directors of the company certifying the following:

- (a) the trading carried out by the entities belonging to acquirer or promoter or promoter group or their related entities was in compliance or not, with the applicable provisions of the securities laws; and
- (b) entities belonging to acquirer or promoter or promoter group or their related entities have carried out or not, any transaction to facilitate the success of the delisting offer which is not in compliance with the provisions of sub-regulation (5) of regulation 4."

- (ii) in sub-regulation (3), the word 'thirty' shall be substituted with the word 'five'.
- (V) in regulation 10,-
- (i) in sub-regulation (1),
 - (a) After the word "The" and before the words "promoters of the company", the words "acquirers or", shall be inserted;
 - (b) the word "upon" shall be substituted with the words "within one working day from the date of";
 - (ii) in sub-regulation (4), after the word "the" and before the words "promoter shall appoint", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (iii) in sub-regulation (5), the word "promoter" shall be substituted with the words and symbol "acquirer/promoter";
 - (iv) in sub-regulation (6), the word "promoter" wherever occurring shall be substituted with the words and symbol "acquirer/promoter";
 - (v) after sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-
 "(7) No entity belonging to the acquirer, promoter and promoter group of the company shall sell shares of the company during the period from the date of the board meeting in which the delisting proposal was approved till the completion of the delisting process."
- (VI) in regulation 11,
- (i) in sub-regulation(1), after the word "the" and before the words "promoter shall open", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (ii) in sub-regulation(2), after the word "the" and before the words "promoter shall forthwith", the words "acquirer or", shall be inserted.
- (VII) in regulation 12, in sub-regulation (1),-
- (i) after the word "the" and before the words "promoter shall despatch", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (ii) the words 'forty five' shall be substituted with the word 'two';
 - (iii) the words and symbol", so as to reach them at least five working days before the opening of the bidding period" shall be omitted.
- (VIII) in regulation 13,
- (i) in sub-regulation (1), the words "fifty five" shall be replaced with the word "seven";
 - (ii) after sub-regulation (1) of regulation 13, the following sub-regulation shall be inserted, namely,-
 "(1A) The acquirer or promoter shall facilitate tendering of shares by the shareholders and settlement of the same, through the stock exchange mechanism as specified by the Board.";
 - (iii) in sub-regulation (2), the words "minimum period of three working days and a maximum" shall be omitted.
- (IX) in regulation 14, in sub-regulation (2), the words "A promoter" shall be substituted with the words "An acquirer or promoter".
- (X) in regulation 15,-
- (i) sub-regulation (2) shall be substituted with the following, namely:-
 "The floor price shall be determined in terms of regulation 8 of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, as may be applicable.";
 - (ii) sub-regulation (3) shall be omitted.
- (XI) in regulation 16,-
- (i) in sub-regulation (1), after the word "the" and before the words "promoter shall not be", the words "acquirer or", shall be inserted;

- (ii) in sub-regulation (2),
 - (a) after the word "the" and before the words "promoter decides not to accept", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (b) in clause (a), after the word "the" and before the words "promoter shall not acquire", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (c) in clause (c), after the word "the" and before the words "promoter may close ", the words "acquirer or", shall be inserted;
 - (d) clause (d) shall be omitted;
- (iii) sub-regulation (3) shall be omitted.

(XII) Regulation 17 shall be substituted with the following, namely:-

- "17. An offer made under chapter III shall be deemed to be successful only if,-
- (a) the post offer promoter shareholding (along with the persons acting in concert with the promoter) taken together with the shares accepted through eligible bids at the final price determined as per Schedule II, reaches ninety per cent. of the total issued shares of that class excluding the shares which are held by a custodian and against which depository receipts have been issued overseas; and
 - (b) atleast twenty five per cent of the public shareholders holding shares in the demat mode as on date of the board meeting referred to in sub-regulation (1B) of regulation 8 had participated in the Book Building Process:

Provided that this requirement shall not be applicable to cases where the acquirer and the merchant banker demonstrate to the stock exchanges that they have delivered the letter of offer to all the public shareholders either through registered post or speed post or courier or hand delivery with proof of delivery or through email as a text or as an attachment to email or as a notification providing electronic link or Uniform Resource Locator including a read receipt.

Explanation.- In case the delisting offer has been made in terms of regulation 5A of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, the threshold limit of ninety per cent. for successful delisting offer shall be calculated taking into account the post offer shareholding of the acquirer taken together with the existing shareholding, shares to be acquired which attracted the obligation to make an open offer and shares accepted through eligible bids at the final price determined as per Schedule II.

(XIII) In regulation 18,-

- (i) the word "promoter" shall be substituted with the words and symbol "promoter/acquirer";
- (ii) the word "eight" shall be substituted with the word "five".

(XIV) In clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 19, the following proviso would be inserted, namely:-

"Provided that the acquirer shall not be required to return the shares if the offer is made pursuant to regulation 5A of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011."

(XV) After regulation 25, the following regulation shall be inserted, namely:-

"25A. Power to relax strict enforcement of the regulations.

- (1) The Board may for reasons recorded in writing, grant relaxation from strict enforcement of any of the requirements of these regulations, if the Board is satisfied that the relaxation is in the interests of investors in securities and the securities market.
- (2) For seeking exemption under sub-regulation (1), the promoter or the acquirer or the company shall file an application with the Board, supported by a duly sworn

- affidavit, giving details for seeking such exemption and the grounds on which the exemption has been sought.
- (3) The promoter or the acquirer or the company, as the case may be, shall along with the application referred to under sub-regulation (3) pay a non-refundable fee of rupees fifty thousand, by way of a banker's cheque or demand draft payable in Mumbai in favour of the Board.
- (4) The Board may after affording reasonable opportunity of being heard to the applicant and after considering all the relevant facts and circumstances, pass a reasoned order either granting or rejecting the exemption or relaxation sought as expeditiously as possible."
- (XVI) In regulation 27,-
- (i) sub-regulation (1) shall be substituted with following, namely:-
"(1) Equity shares of a company may be delisted from all the recognised stock exchanges where they are listed, without following the procedure in Chapter IV, if,-
 - a) the company has a paid up capital not exceeding ten crore rupees and net worth not exceeding twenty five crore rupees as on the last date of preceding financial year;
 - b) the equity shares of the company were not traded in any recognised stock exchange for a period of one year immediately preceding the date of board meeting referred to in sub-regulation (1B) of regulation 8; and
 - c) the company has not been suspended by any of the recognised stock exchanges having nation-wide trading terminals for any non-compliance in the preceding one year;"
 - (ii) sub-regulation (2) shall be omitted;
 - (iii) in sub-regulation (3). the words, symbols and figure "or sub-regulation (2)", shall be omitted.
- (XVII) In regulation 31, sub-regulation (2) shall be substituted with following, namely:-
"Any proposal for delisting made by company or any promoter or acquirer who wanted to delist securities of the company, prior to commencement of these regulations and where the offer price has not been determined in terms of sub-regulation (1) of regulation 15 as on the date of such commencement, shall be proceeded with under the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity) Regulations, 2009 as amended by the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) (Amendment) Regulations, 2015."
- (XVIII) In schedule I, after para 16, the following shall be inserted, namely:-
"16A: A statement by the board of directors of the company certifying that:-
 - (a) the company is in compliance with the applicable provisions of securities laws;
 - (b) the acquirer or promoter or promoter group or their related entities have not carried out any transaction during the aforesaid period to facilitate the success of the delisting offer which is not in compliance with the provisions of sub-regulation (5) of regulation 4;
 - (c) the delisting is in the interest of the shareholders.".
- (XIX) In Schedule II,
- (i) after para 11, the following para shall be inserted, namely,-
"11A. Para 1 to 11 shall not be applicable in respect of the book building process where settlement is carried out through stock exchange mechanism as specified in sub-regulation (1A) of regulation 13 of these regulations."
 - (ii) para 12 shall be substituted with the following, namely:-

"12. The final offer price shall be determined as the price at which shares accepted through eligible bids, that takes the shareholding of the promoter or the acquirer (along with the persons acting in concert) to ninety per cent. of the total issued shares of that class excluding the shares which are held by a custodian and against which depository receipts have been issued. If the final price is accepted, then, the promoter shall accept all shares tendered where the corresponding bids placed are at the final price or at a price which is lesser than the final price. The promoter may, if he deems fit, fix a higher final price.

An illustration for arriving at the final offer price is given in the table below:

<i>Bid price (Rs.)</i>	<i>Number of investors</i>	<i>Demand (Number of shares)</i>	<i>Cumulative demand (Number of shares)</i>	
550	5	2,50,000	2,50,000	
565	8	4,00,000	6,50,000	
575	10	2,00,000	8,50,000	
585	4	4,00,000	12,50,000	
595	6	1,20,000	13,70,000	
600	5	1,30,000	15,00,000	
605	3	2,10,000	17,10,000	
610	3	1,40,000	18,50,000	
615	3	1,50,000	20,00,000	
620	1	5,00,000	25,00,000	
	48	25,00,000		→ Final Offer Price

Assuming floor price of Rs.550/- per share, promoter/ acquirer shareholding at 75% and number of shares required for successful delisting as 15,00,000, the final price would be the price at which the promoter reaches the threshold of 90%, i.e., it would be Rs.600/- per share."

U. K. SINHA, Chairman

[ADVT.-III/4/Exty./69-ZB/350/14]

Footnotes:

1. The SEBI (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009, were published in the Gazette of India on 10 June, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-2010/09/165992.